ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक: 25.01.2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-01-25 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसमकारक	26/01/2024	27/01/2024	28/01/2024	29/01/2024	30/01/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	15.0	16.0	16.0	17.0	17.0
न्यूनतम तापमान(से.)	4.0	3.0	4.0	5.0	6.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	70	70	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमीप्रतिघंटा)	0	0	0	0	0
पवन दिशा (डिग्री)	140	140	140	140	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (18 से 24 जनवरी) में 0 मिमी बारिश हुई तथा अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 10.5-16.5 और 0.9-8.4oC के बीच रहा। कुछ दिनों में धुंधली धूप के साथ मौसम धूमिल देखा गया। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमश: 87-100% और 63-95% के बीच रही। हवा की गति ज्यादातर 0.0-3.4 किमी प्रति घंटे के बीच थी, जो मुख्य रूप से दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलती थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान से पता चलता है कि अधिकतम और न्यूनतम तापमान 15.0-17.0oC और 3-6oC के बीच भिन्न होने के साथ वर्षा न होने की सम्भावना बानी रहेगी। दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति 0 किमी प्रति घंटा रहने की आशंका है। इस अवधि के दौरान शुष्क मौसम रहने की संभावना है। 25 और 26 जनवरी 2024 के लिए यू एस नगर के कुछ हिस्सों में अलग-अलग स्थानों पर ठंडे दिन की स्थिति और घने कोहरे की संभावना के बारे में एक येलो अलर्ट जारी की गया है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में एक नियमित अपडेट “मेघदूत ऐप” पर उपलब्ध है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए “दामिनी ऐप” भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और ऐप सेंटर (iOS यूज़र) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 26 जनवरी से 1 फरवरी के दौरान वर्षा, अधिकतम और न्यूनतम तापमान की सामान्य प्रवृत्ति दर्शाती है।उच्च सापेक्ष आर्द्रता और कोहरे की स्थिति रबी फसलों में बीमारियों के प्रजनन के लिए उपयुक्त है, इसलिए उचित निगरानी और छिड़काव का पालन किया जाना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

शीत दिवस और घने कोहरे के बारे में येलो अलर्ट दिया गया है, इसलिए फसलों में ठंड से होने वाले नुकसान को रोकने और बीमारी को नियंत्रित करने के लिए उचित क़षि उपायों का पालन किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर	वानस्पतिक/ फूल आना	फूलों और फली के निर्माण पर सिंचाई का आवश्यकतानुसार दिया जाना चाहिए।
राइ एवं तोरिया (लाही) / पीली सरसों	परिपक्वता / फूल आना/ फली बनना	रेपसीड फसल को परिपक्वता पर काटा जाना चाहिए और दाना झाड़ने से पहले अच्छी तरह से सुखाया जाना चाहिए। उपज के नुकसान से बचने के लिए आवश्यकता के अनुसार सरसों (राई) में फूल आने और फली बनने की अवस्था में सिंचाई करना आवश्यक है। कीट और बीमारी के हमले के लिए सरसों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और नियंत्रण के लिए अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। झुलसा रोग में, 800-1000 लीटर पानी में मैनकोज़ेब 75%, 2 कीग्रा/हेक्टेयर का नियमित छिड़काव, 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार आवश्यक है। सफेद गेरुई रोग में मेटालैक्सिल 35 डब्लू ऐस या रिडोमिल एम जेड 72, 2.5 किग्रा/हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में, 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार नियमित छिड़काव करना चाहिए। तुलासिता रोग आने पर मेटालैक्सिल 35 डब्लू ऐस या रिडोमिल एम जेड 72, 2 किग्रा/हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर 1-2 बार छिड़काव किया जा सकता है।
गेहू	वानस्पतिक	आवश्यकतानुसार फसल की सिंचाई करनी चाहिए और खरपतवार नियंत्रित करना चाहिए। पीला रतुआ दिखने पर उचित उपाय किये जाने चाहिए।
जौ	वानस्पतिक	आवश्यकता अनुसार फसल की सिंचाई की जानी चाहिए और खरपतवार प्रबंधन के लिए उपाय किये जाना चाहिए।
चारा फसलें	वानस्पतिक	फसलों में पहली कटाई के बाद सिंचाई की जानी चाहिए और जई की फसल में यूरिया का प्रयोग किया जाना चाहिए।
गन्ना	परिपक्वता/ वनस्पति	फसल को 16-18% ब्रिक्स पर काटा जाना चाहिए और शरद ऋतु के गन्ने में उचित कृषि कार्यों का पालन किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	अंकुर	प्याज के पौधों को पला और ठंडे तापमान से बचाना चाहिए और उचित उपाय किए जाने चाहिए। पौधों को इस तरह ढके की हवा-पानी का बहाव बना रहे।
सब्जीमटर	फूल आना/ फली बनना / परिपक्वता	मटर की फसल सूखी और ठंडी रातों के प्रति बहुत संवेदनशील होती है इसलिए आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और कीटों और बीमारियों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। फफूंद/माहू कीट के हमले पर उचित

		रासायनिक या यांत्रिक उपाय किए जाने चाहिए।
टमाटर/मिर्च	फूल/फल बनना	तापमान और आर्द्रता का स्तर कीट और बीमारी के हमले के लिए उपयुक्त है, इसलिए फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। रोग फैलाने वाले कीटों के लिए फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं के साथ नियंत्रित किया जाना चाहिए। टमाटर में पछेती झुलसा रोग के नियंत्रण के लिए सलाह दी जाती है कि मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।
आलू	परिपक्वता	आलू में पछेती झुलसा रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।
मुर्गी	पशुचिकित्सक के अनुसार मुर्गियों को एफ़्लाटोक्सिसओसिस के लिए दवाई प्रशासित किया जाना चाहिए जो उनके चारे में फंगस के पनपने के कारण हो सकता है ।

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	क्षेत्र में ठंड की स्थिति और घना कोहरा होने की संभावना है, इसलिए युवा पौधों की सुरक्षा के लिए उचित उपाय किए जाने चाहिए। फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। फसलों में ठंड से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए हीटर और धुएं का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। मौसम अधिकांश फसलों में रोग होने के लिए अनुकूल है इसलिए फसलों की सुरक्षा के लिए उचित छिड़काव किया जाना चाहिए।